अल्पना सिंह रचित मर्यादा, तुमसे मिलकर और पिया बसंती रे उपन्यासों का लोकार्पण कल

औरंगाबाद (आससे)। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के ब्लॉक मोड़ स्थित पृथ्वीराज चौहान स्मृति भवन के प्रांगण में 25 अक्टूबर को राष्ट्रीय साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा के तत्वावधान में उपन्यास लेखिका अल्पना सिंह रचित मर्यादा,पिया बसंती रे और तुमसे मिलकर उपन्यासों का लोकार्पण किया जाएगा इस संबंध में जानकारी देते हुए शब्दवीणा के जिलाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह संस्थापिका प्रोफेसर (डॉ) रश्मि प्रियदर्शनी एवं जिला संरक्षक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा के आह्वान पर जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में उद्घाटन कर्ता के रूप में बिहार राज्य महोत्सव संघ के अध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह की गरिमामई उपस्थिति होगी।अतिथि वृंद राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह अध्यक्ष,पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट,डॉ शिवपूजन सिंह अवकाश प्राप्त प्रोफेसर सिन्हा कॉलेज ,डॉ रामाधार सिंह अवकाश प्राप्त प्रोफेसर सिंहा कॉलेज,डा हनुमान राम,प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ,श्रीराम राय राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय कवि स्पर्श मंच, प्रदीप कुमार सिंह मुखिया प्रतिनिधि जम्होर,प्रोफेसर विजय कुमार सिंह पूर्व प्राचार्य जवाहरलाल नेहरू कॉलेज डेहरी,जगदीश सिंह कार्यकारी अध्यक्ष पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट, डॉ संजीव रंजन प्रोफेसर राजनीति विज्ञान,सिंहा कॉलेज,अरविंद अकेला केंद्रीय महासचिव साहित्य कुंज,रामभजन सिंह शिक्षक नेता माध्यमिक शिक्षक संघ,डॉ हेरम्ब मिश्र मगही के उद्भट साहित्यकार,डॉ रविंद्र कुमार उर्फ दानिका महाराज डायरेक्टर दानिका संगीत महाविद्यालय,अजीत मिश्रा संरक्षक अष्टभुजी धाम महोत्सव,श्वेता सिंह नेही उपाध्यक्ष राज्य महोत्सव संघ महिला प्रकोष्ठ,चंदन पाठक-कवि शिक्षक एवं साहित्यकार,सुमन अग्रवाल पूर्व शिक्षा अधिकारी की गरिमामई उपस्थिति होगी। अतिथियों का स्वागत इंजीनियर श्रवण कुमार सिंह द्वारा किया जाएगा।वहीं आभार ज्ञापन की भूमिका अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह एवं संचालन शब्दवीणा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेश विद्यार्थी निभाएंगे।लोकार्पण में सतीश कुमार पांडेय,अमित मिश्रा,विकास कुमार सिंह, गायक अमित कुमार सिंह, सुबोध पांडेय, वेदप्रकाश पाण्डेय एवं शब्दवीणा परिवार के समस्त कार्यकर्ताओं की विशेष भूमिका होगी।

कैमूर में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ दुर्गा पूजा महोत्सव

भभुआ /कैमूर (आससे)। प्रशासनिक सतर्कता, पुलिस की मुस्तैदी और आम लोगों के सहयोग से कैमूर जिले में दुर्गा पूजा एवं प्रतिमा विसर्जन का महोत्सव शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। जिले में कुल 377 दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं।

इनमें ग्रामीण एवं अनुमंडलीय क्षेत्रों की 342 प्रतिमाओं का विसर्जन एक दिन पहले ही करा लिया गया, जबकि भभुआ नगर क्षेत्र में करीब 35 प्रतिमाओं का विसर्जन जुलूस देर रात तक निकाला गया। पूरे आयोजन के दौरान जिला प्रशासन और पुलिस की टीमें लगातार सक्रिय रहीं।

दशहरा और विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए थे। जिलाधिकारी कुमार अनुराग और पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी ने जिला स्तरीय अधिकारियों एवं संबंधित टीमों के साथ विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। एकता चौक स्थित नियंत्रण कक्ष से अधिकारियों ने रातभर विसर्जन जुलूस की गतिविधियों पर नजर रखी।

जिलाधिकारी ने बताया कि दशहरा के अवसर पर भभुआ और मोहनियां में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। इसके बावजूद प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों और जवानों की सतत निगरानी से यातायात एवं भीड़ प्रबंधन सुचारू बना रहा। संवेदनशील स्थलों और प्रमुख मार्गों पर विशेष सतर्कता बरती गई। जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि दुर्गा पूजा एवं प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण बनाने में पुलिसकर्मियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शांति समिति के सदस्यों, पूजा समितियों और स्थानीय नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी के समन्वय और सहयोग से जिले में पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्रशासन ने सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सबका सम्मान जीवन आसान पहल के तहत डीएम का जनता दरबार

औरंगाबाद (आससे)। जिला पदाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा द्वारा अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में सात निश्चय-3 अंतर्गत सबका सम्मान जीवन आसान पहल के तहत जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार के दौरान विभिन्न प्रखंडों से आए आम नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों को जिला पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया।इस दौरान परिवादियों ने अपने-अपने आवेदन प्रस्तुत किए। प्राप्त परिवादों में मुख्य रूप से दाखिल-खारिज, अतिक्रमण, राशन कार्ड, नाली-गली निर्माण, भूमि विवाद, सड़क निर्माण, आंगनबाड़ी सेविका बहाली, जमाबंदी, इंदिरा आवास, भूमि मापी, जमीन पर अवैध कब्जा, परिमार्जन, एलपीसी निर्गत करने, पैक्स से संबंधित मामले, मानदेय भुगतान, आंगनबाड़ी बहाली में अनियमितता, अनुग्रह अनुदान सहित अन्य जनहित से जुड़े विषय शामिल रहे। जनता दरबार में प्राप्त सभी परिवादों को विधिवत पंजी में दर्ज कर संबंधित विभागों को अग्रसारित किया गया तथा संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।



जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी मामलों का निष्पादन निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक विलंब ना हो। जिला पदाधिकारी महोदया ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक परिवाद का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं न्यायसंगत निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि परिवादों के निष्पादन की नियमित समीक्षा की जाए।

सरकारी खरीद से जुड़ेंगे एससी-एसटी उद्यमी

भभुआ/कैमूर (आससे)। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय एससी-एसटी हब, बोधगया की ओर से गुरुवार को होटल संजय पैलेस, कुडरा-भभुआ रोड में उद्यमिता जागरूकता एवं विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 120 से अधिक इच्छुक और वर्तमान उद्यमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा प्रबंधक पुष्पेन्द्र सूर्यवंशी के स्वागत संबोधन से हुआ। कार्यक्रम में इंडियन ऑयल बरौनी रिफाइनरी के उप महाप्रबंधक राजीव रंजन, पावर ग्रिड के महाप्रबंधक अशोक कुमार, भारतीय खाद्य निगम के उप महाप्रबंधक उदय सिंह मीणा, एनपीसीआईएल नरौरा के उप महाप्रबंधक कपिल कुमार, एनटीपीसी के उप महाप्रबंधक इश्तेयाक अली और आईआरकॉन के सहायक महाप्रबंधक हिमांशु सागर ने खरीद प्रक्रिया की जानकारी दी। जीईएम प्रतिनिधि सत्यम कुमार, एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय पटना के सहायक निदेशक डॉ. रोचक राठौर, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक दीपक जय कुमार और परियोजना प्रबंधक निशांत कुमार ने सरकारी योजनाओं और पंजीकरण प्रक्रिया पर मार्गदर्शन किया।

आईसीएआई प्रतिनिधि ने वित्तीय साक्षरता, राष्ट्रीय एससी-एसटी हब के रौशन कुमार ने ई-निविदा, आरसेटी निदेशक मनोज कुमार ने कौशल विकास, अग्रणी जिला प्रबंधक आकिल जावेद खान ने बैंक ऋण तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भभुआ के निदेशक कर्मदेव राम ने तकनीकी प्रशिक्षण की जानकारी दी। मो कामरान ने उद्यम और जीईएम पोर्टल पर पंजीकरण में सहायता की। कार्यक्रम में सरकारी खरीद, गुणवत्ता मानकों, बिल भुगतान और कारोबार विस्तार पर चर्चा हुई। बोधगया टेक्सटाइल एंड हैंडीक्राफ्ट्स एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में रूपक कुमार, संतोष सागर, रंजीत कुमार, राजीव और अमित सहित अन्य सहयोगियों के प्रति आयोजकों ने आभार जताया।

देवी मिलन देखने उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

भभुआ (कैमूर)। आस्था, परंपरा और भक्ति के अद्भुत संगम के बीच भभुआ शहर में दशहरा के बाद आयोजित पारंपरिक जुलूस महोत्सव गुरुवार को बड़ी देवी मां और छोटी देवी मां के मिलन के साथ संपन्न हो गया। देवी जी रोड में दोनों देवियों के मिलन का साक्षी बनने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भव्य आरती और पूजन के बीच मां का जयघोष गूंजता रहा। वहीं, अंतिम विदाई के भावुक क्षणों में कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं।

दशहरा पर्व के बाद बुधवार की रात से ही शहर में विभिन्न पूजा समितियों की प्रतिमाओं का जुलूस निकलना शुरू हो गया था। प्रतिमाएं अपने-अपने वाहनों पर विराजमान होकर कतारबद्ध तरीके से नगर भ्रमण करती रहीं। सब्जी मंडी स्थित देवी मंदिर से निकली बड़ी देवी मां रातभर भ्रमण करने के बाद देवी जी रोड पहुंचीं, जहां अपनी बहन छोटी देवी मां से उनका पारंपरिक मिलन हुआ। इस अलौकिक दृश्य को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। नगर समिति के अध्यक्ष ठाकुर राम नगीना लाल ने बताया कि दशहरा के बाद जुलूस निकालने और दोनों देवियों के मिलन की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। मंदिर के पुजारी दुर्गा ने भी इसे पुरानी धार्मिक परंपरा बताते हुए कहा कि मिलन के अवसर पर देवी मंदिर परिसर में भव्य आरती और पूजन किया गया। इसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूजा समिति के सदस्य बिरजू पटेल ने बताया कि दोनों देवियों के मिलन के बाद प्रतिमाओं को अंतिम विदाई दी जाती है। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा से सुख-समृद्धि, खुशहाली और परिवार की मंगलकामना की। वर्षों पुरानी परंपरा के इस भावुक पड़ाव पर मां के जयकारों के बीच विदाई का दृश्य श्रद्धालुओं को भावविभोर करता रहा।



जुलूस महोत्सव के दौरान जिलाधिकारी कुमार अनुराग और पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी मौजूद रहे। शहर में शांति और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी। प्रशासनिक अधिकारी लगातार व्यवस्था पर नजर बनाए हुए थे।

एसडीएम अमित कुमार ने बताया कि देवी मिलन समारोह के बाद प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए शहर से बाहर ले जाया जाता है। मौके पर एसडीपीओ ओम प्रकाश, नगर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी संजय उपाध्याय सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी, पुलिसकर्मी और पूजा समितियों के सदस्य मौजूद रहे। देवी मिलन की परंपरा के साथ भभुआ का जुलूस महोत्सव श्रद्धा, उल्लास और भावुक विदाई के यादगार दृश्यों के बीच संपन्न हो गया।

ननिहाल में सर्पदंश से 10 वर्षीय बालक की मौत

रामगढ़/कैमूर (आससे)। रामगढ़ थाना क्षेत्र के जलदहा गांव में अपने ननिहाल आए 10 वर्षीय बालक की सर्पदंश से मौत हो गई। मृतक की पहचान रामगढ़ थाना क्षेत्र के अलीपुर गांव निवासी लालबाबू राम के पुत्र अंकित कुमार के रूप में हुई है। बालक की मौत से परिजनों में मातम पसरा है। वहीं, परिजनों ने प्रशासन से उचित मुआवजा देने की मांग की है। मिली जानकारी के अनुसार, अंकित कुमार अपने ननिहाल जलदहा गांव आया हुआ था। बुधवार की रात खाना खाने के बाद वह बिस्तर पर सो रहा था। इसी दौरान सांप ने उसे डस लिया। इसके बाद परिजन उसे झाड़-फूंक कराने ले गए। लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और स्थिति लगातार गंभीर होती चली गई। इसके बाद परिजन उसे रेफरल अस्पताल रामगढ़ लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भभुआ रेफर कर दिया। हालांकि, बालक की जान नहीं बच सकी। मृतक के नाना जितेंद्र राम ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि अंकित अपने ननिहाल में रह रहा था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद गांव में भी शोक का माहौल है। परिजनों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।

अनियंत्रित बाइक से गिरकर किशोरी गंभीर

भभुआ/कैमूर (आससे)। अधौरा उच्च विद्यालय के पास बाइक से गिरकर बंधा गांव निवासी शिवाजी यादव की 14 वर्षीय पुत्री सुमन कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधौरा में प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल भभुआ लाया गया, जहां चिकित्सक डॉ. श्यामाकांत प्रसाद ने उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

शिक्षक सीटों पर बंपर...

मतदान हुआ। दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 79 प्रतिशत और तिरहुत में 78.10 प्रतिशत वोट पड़े। पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मतदान 56.89 प्रतिशत रहा। चारों शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों का कुल अंतरिम मतदान प्रतिशत 74.55 रहा। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में कोसी 52.51 प्रतिशत मतदान के साथ पहले स्थान पर रहा। तिरहुत में 42.15 प्रतिशत और दरभंगा में 42 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में केवल 36.19 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। इन चारों क्षेत्रों का कुल अंतरिम मतदान प्रतिशत 43.87 रहा। इन चुनावों में चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से कुल 150 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के 90 और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के 60 उम्मीदवार शामिल हैं। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में दरभंगा से सर्वाधिक 40 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। पटना से 18, तिरहुत से 17 और कोसी से 15 उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमाई। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में पटना और सारण से 18-18, दरभंगा से 13 और तिरहुत से 11 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे थे। मतदान संपन्न होने के साथ ही सभी उम्मीदवारों का चुनावी भविष्य मतपेटियों में बंद हो गया। निर्वाचन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 4,92,594 मतदाता पंजीकृत थे। इनमें 3,55,522 पुरुष, 1,37,038 महिला और 34 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल थे। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 40,253 मतदाता थे, जिनमें 30,677 पुरुष, 9,573 महिला और तीन तृतीय लिंग के मतदाता शामिल थे। मतदान के लिए स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में 474 मूल और 124 सहायक मतदान केंद्र बनाए गए थे। इस प्रकार इन क्षेत्रों में कुल 598 मतदान केंद्रों पर व्यवस्था की गई थी। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में 335 मूल मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार, मतदान के दौरान नियंत्रण कक्ष में कुल 13 शिकायतें प्राप्त हुईं। कार्यालय के मुताबिक, इन शिकायतों का समय रहते निष्पादन कर दिया गया। विभाग ने मतदान को शांतिपूर्ण संपन्न होने की जानकारी दी है।

विधान पार्षद चुनाव में छिटपुट...

शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र तथा दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में छिटपुट घटना अर्थात पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में विधान पार्षद नीरज कुमार तथा अनुज सिंह समर्थक अनंत सिंह समर्थकों में भिड़ंत होने की सूचना मिली है। भिड़ंत में किसी अप्रिय घटना की सूचना मतदान के दौरान पुलिस प्रशासन की मुस्तैदी के कारण कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। वहीं मतदान के बाद दोनों प्रत्याशी को समर्थकों के बीच बयानबाजी शुरू हो गयी है। बड़ी घटना शिक्षक निर्वाचन में भाजपा प्रत्याशी नवल किशोर यादव व राजद प्रत्याशी व उनके समर्थकों के बीच भी झड़प होने की सूचना है।

एक वर्ष में 1.21 लाख करोड़ के...

डोभी में मैन्यूफैक्चरिंग सिटी के पोर्टल का शुभारंभ करेंगे। १६७० एकड़ में बननेवाले बिहार इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग सिटी गया के वेब पोर्टल के साथ ही परियोजना का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू होगी। देश भर में १४ स्थानों पर इंटीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग सिटी बनाने की योजना है। विभाग के सचिव कुंदन कुमार ने कहा कि इस परियोजना में विनिर्माण के लिए सभी आधुनिक सुविधायें एक जगह पर मिलेंगे। जिससे यह एक औद्योगिक शहर के तौर पर विकसित होगा।

यूएन में भारत ने पाक को...

इस्लामी रीति-रिवाजों के अनुसार दफनाया था। उनके इस बयान के जरिए भारत ने धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय मूल्यों के मुद्दे पर पाकिस्तान के रुख पर सवाल उठाए।

भारत ने जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की टिप्पणियों को भी खारिज किया। मंगलानंदन ने कहा कि पाकिस्तान को भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर पर ध्यान देने के बजाय अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में हो रहे घटनाक्रम पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने रावलाकोट का उल्लेख करते हुए पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के क्षेत्रों की स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की आबादी घट रही है और उनके अधिकारों का लगातार उल्लंघन हो रहा है। अपने संबोधन के अंत में भाविका मंगलानंदन ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा, %%जो देश अपने ही अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता, उसे भारत को उपदेश देने का कोई अधिकार नहीं है।

भारत के इस बयान में आतंकवाद, धार्मिक स्वतंत्रता, अल्पसंख्यकों के अधिकारों और जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान के रुख को चुनौती दी गई। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद के पीड़ितों के अधिकारों और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा करते समय सभी देशों को अपने आचरण पर भी ध्यान देना चाहिए।

पीएम मोदी ने चिन्मय अमृत महोत्सव...

हूं। यह मेरे लिए बेहद भावुक कर देने वाला अनुभव था। मुझे यह अद्भुत अनुभव देने के लिए मैं चिन्मय मिशन के सभी सदस्यों का तहे दिल से धन्यवाद करता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं, 'मुझे आज भी याद है कि उनके साथ मेरी पिछली मुलाकात में हमने कितनी गंभीर चर्चा की थी। उस चर्चा का मुख्य विषय था - युवा शक्ति का निर्माण करना और उसके जरिए एक मजबूत और सक्षम भारत बनाना। उनसे मिलने के कुछ साल बाद, लोगों ने मुझे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर दिया। तब से लेकर पिछले 25 वर्षों तक, मैंने सरकार के मुखिया के तौर पर अपनी पूरी क्षमता से देश की सेवा की है। इस पूरे सफर में गुरुदेव का आशीर्वाद मेरे साथ रहा है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, 'जब देश ने अपनी आजादी के 75 साल पूरे किए, तो मैंने सोचा कि हमें इस अवसर को न केवल 'विकसित भारत' के विजन को प्रेरित करने का एक मंच बनाना चाहिए, बल्कि भारत की उस भावना को भी जीवंत करना चाहिए जो अमर विचारों के साथ जीना जानती है, और हजारों वर्षों के अपने अनुभव के आधार पर, आने वाली पीढ़ियों के लिए पूरी मानवता की चिंता कर सकती है।' क्या है चिन्मय अमृत महोत्सव ग्लोबल सम्मेलन?

बता दें कि 23 से 25 अक्तूबर 2026 तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन में भारत और विदेशों से 9,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। यह आयोजन 'चिन्मय मिशन' के 75 वर्षों के उपलक्ष्य में साल भर चलने वाले समारोहों का समापन है। चिन्मय मिशन एक वैश्विक आध्यात्मिक आंदोलन है, जिसकी स्थापना 1951 में स्वामी चिन्मयानंद ने की थी, ताकि वेदांत और भगवद गीता का ज्ञान सभी तक पहुंचाया जा सके। पिछले कुछ दशकों में, इस मिशन ने आध्यात्मिक शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण, युवा सशक्तिकरण और सामुदायिक सेवा के क्षेत्रों में अपने कार्यों का विस्तार किया है।

खरगे ने मोदी सरकार से पूछे...

के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए, खरगे ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक की उन टिप्पणियों का जिक्र किया, जो अरुणाचल प्रदेश में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के साथ हुई झड़पों से जुड़ी थीं।

खरगे ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि अरुणाचल प्रदेश में पीएलए के साथ लगातार हो रहे टकराव की आईटीबीपी डीजी की ओर से पुष्टि बेहद चिंताजनक है। डोकलाम और गलवान के बाद, क्या कोई और गंभीर टकराव शुरू हो रहा है? अगस्त में तक्सिंग के पास चीनी घुसपैठ की खबरें सामने आई थीं। फिर भी, वाचा-दमाई में कोर कमांडर स्तर की बातचीत के 47 दिन बाद भी - जो कि कथित तौर पर यहां से सिर्फ 180 किमी दूर है - टकराव जारी है। क्या भारत की पेट्रोलिंग (गश्त) करने की पहुंच प्रभावित हुई है? उन्होंने जोर देकर कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और पूछा कि देश को इस बारे में अंधेरे में क्यों रखा जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे पर भी गहरी चिंता जताई और 2020 की गलवान घाटी झड़प के बाद सरकार के आर्थिक रुख पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि गलवान में भारतीय सेना के 20 बहादुर जवानों की शहादत के बाद से, चीन से आयात में 102 फीसदी की भारी वृद्धि हुई है, जबकि चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 155 फीसदी बढ़कर 112.16 अरब डॉलर हो गया है। यहां तक कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी मानती हैं कि चीन भारतीय निर्यात में बाधा डालता है। इसके बावजूद, सरकार चीनी निवेश पर लगी पाबंदियों में ढील दे रही है और चीन से जुड़ी पात्र कंपनियों को पीएलआई (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) का लाभ देने पर विचार कर रही है। क्या 'मेक इन इंडिया' अब 'इंपोर्ट फ्रॉम चाइना' (चीन से आयात) बन गया है?

राजनयिक मुलाकातों पर सवाल उठाते हुए, खरगे ने पूछा कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच हुई कई द्विपक्षीय वार्ताओं का ज़मीनी स्तर पर क्या नतीजा निकला है। खरगे ने पूछा कि मोदी और शी के बीच कम से कम 23 मुलाकातें और बातचीत हुईं, एनएसए अजीत डोभाल के साथ विशेष प्रतिनिधियों के 25 दौर की वार्ताएं हुईं, डब्लूएमसीसी की 36 बैठकें हुईं, और लगातार एससीओ और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन हुए। इन मुलाकातों से क्या ठोस परिणाम निकले? क्या मई 2020 से पहले भारत को हासिल गश्त (पेट्रोलिंग) करने के अधिकार पूरी तरह बहाल हो गए हैं?

सशस्त्र बलों पर अपनी पार्टी का भरोसा जताते हुए, खरगे ने सरकार की राजनयिक कोशिशों पर तंज कसा और कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा को केवल दिखावे के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।खरगे ने आगे कहा कि हमें अपने सशस्त्र बलों पर पूरा भरोसा है। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जवाबदेही जरूरी है, न कि राजनयिक फोटो-ऑप्स (दिखावे की तस्वीरें) या 'हगप्लोमेसी' (गले मिलने वाली कूटनीति)! विपक्ष पर हमला करने के बजाय, प्रधानमंत्री मोदी को संसद और देश को विश्वास में लेना चाहिए।

सात करोड़ से अधिक के...

रविदास नगर उत्तर प्रदेश, मिथिलेश चौरसिया व संतोष चौरसिया लड्डूगांव थाना राजनगर मधुबनी बिहार भी शामिल रहा है. अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि अबतक इस गिरोह द्वारा सात करोड़ से अधिक राशि का सिक्का बाजार में चला चुका है। बताया गया कि यह सिक्का सरकारी शराब के ठीके और टोल टैक्स के माध्यम से चलाया गया.

इस नकली सिक्के कारोबार में शामिल राजनगर लड्डूगांव निवासी मिथिलेश चौरसिया को राजनगर थाना पुलिस के सहयोग से उत्तरप्रदेश के सहारनपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया गया।

चुनाव मुख्यालय की ओर...

सुनिश्चित करेंगे कि लोकतंत्र की यह भावना हमेशा जीवित रहे. न्यूज एजेंसी पीटीआई से प्रदर्शनकारी ने कहा है कि यह सिर्फ जंतर-मंतर वापस पाने की लड़ाई है. यह लोकतंत्र और देश बचाने की लड़ाई है.

इससे पहले पीपल अगेंस्ट एसआईआर ने एक वेबसाइट भी लॉन्च की है. इस पर अलग-अलग शहरों में होने वाले विरोध प्रदर्शनों के बारे में जानकारी दी गई है. इस ग्रुप के मुताबिक, 18 राज्यों के 88 शहरों में विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई है. इसमें 145 संगठन शामिल हैं. इस अभियान के तहत ग्रुप 1 नवंबर तक कई कार्यक्रम आयोजित करेगा. इधर, प्रदर्शन को देखते हुए, दिल्ली पुलिसने मध्य दिल्ली में सुरक्षा कड़ी कर दी है. दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्सन फोर्स के जवानों को बड़ी संख्या में तैनात किया गया है.

ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं...

को रद्द करने की मांग कर रहे हैं. उनका कहना है कि एसआईआर की मदद से बीजेपी को आयोग जीत में मदद कर रहा है. पिछले दिनों पीएम मोदी ने एक कार्यक्रम में विपक्षी दलों के आंदोलनों को लेकर बड़ा हमला किया था. उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि साल भर में हमारे श्रीहरिकोटा से उतनी लॉन्चिंग नहीं होतीं, जितनी एक साल में कांग्रेस के लोग अपने नेता को लॉन्च करने की विफल कोशिश कर लेते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज जब दुनिया में इतनी अव्यवस्था है, तो एक मजबूत भारत की तस्वीर दुनिया में जानी चाहिए. लेकिन ये लोग भारत की प्रतिष्ठा को मिट्टी में मिलाने पर तुले हुए हैं. ये लोग विदेशों में जा-जाकर भारत को बदनाम करते हैं. विदेशियों से दखल की अर्जी लगाते हैं. पता नहीं कब तक कांग्रेस अपने फेल्ड प्रोडक्ट की लॉन्चिंग के लिए देश को दांव पर लगाती रहेगी.

11 साल में एक फूटी कौड़ी...

ने बर्लिन ग्लोबल डायलॉग में एक गोलमेज चर्चा के दौरान जलवायु फंड का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि 2015 में पेरिस जलवायु सम्मेलन के दौरान विकसित देशों ने विकासशील और कम विकसित देशों की मदद करने की प्रतिबद्धता जताई थी। इसके तहत हर साल 100 अरब डॉलर की जलवायु सहायता जुटाने का लक्ष्य रखा गया था। गोयल के मुताबिक, इस वादे को किए 11 साल बीत चुके हैं, लेकिन विकासशील देशों को इसका लाभ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि ये प्रतिबद्धताएं सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई हैं। उन्होंने यूरोपीय संघ और उसके कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म को लेकर भी सवाल उठाए।पीयूष गोयल ने भारत और यूरोप के बीच आबादी तथा कार्बन उत्सर्जन के अंतर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की करीब 17त्न आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में उसका योगदान 3त्न से भी कम है। उन्होंने यह भी कहा कि यूरोप में प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन भारत की तुलना में काफी अधिक है। गोयल के मुताबिक, विकसित देशों ने दशकों तक औद्योगिक विकास से फायदा उठाया, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकासशील देशों को जरूरी आर्थिक और तकनीकी सहायता देने में पीछे हट रहे हैं।

गोयल ने कहा कि भारत के सामने 140 करोड़ से अधिक लोगों की ऊर्जा और भोजन संबंधी जरूरतों को पूरा करने के साथ देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी है। इन चुनौतियों के बावजूद भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विकसित देशों से अपनी जिम्मेदारियां निभाने की जरूरत पर जोर दिया। उनका कहना था कि विकासशील देशों को उत्सर्जन घटाने और स्वच्छ ऊर्जा अपनाने के लिए पर्याप्त मदद मिलनी चाहिए।

बर्लिन दौरे के दौरान पीयूष गोयल ने नॉफ ग्रुप के ग्लोबल जनरल पार्टनर मुरात अकयिल्दिज से भी मुलाकात की। इस बैठक में भारत में कंपनी के विनिर्माण विस्तार और टिकाऊ निर्माण सामग्री तथा बुनियादी ढांचे के विकास में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।

सरकारी स्कूलों में 6ठी कक्षा से...

इसका निर्माण कराया जाए। उन्होंने केन्द्र से मिली राशि का सदुपयोग करते हुए विद्यालयों की जरूरी आधारभूत सुविधाएं समय पर पूरी करने का निर्देश दिया। शिक्षा मंत्री ने राज्य में पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए हर प्रमंडल में गुरुकुलम विद्यापीठ का खाका तैयार करने का निर्देश दिया। इसकी शुरुआत बक्सर से की जा चुकी है। यहां पहले गुरुकुलम की स्थापना पर लगभग 70 करो